लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 21.1.2020 पृष्ठ सं 18 कॉलम 1-6

सौगात

नए सत्र से शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम , सेंटर फॉर बॉयोटेक्नॉलोजी को ही बदलकर बनाया जा रहा है कॉलेज, विद्यार्थियों को मिलेगा अत्याधुनिक लैब का लाभ

अब एचएयू के खाते में जुड़ने जा रहा कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नॉलोजी

वैभव शर्मा • हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) अब अपना दायरा बढ़ाता जा रहा है। हाल ही में मत्स्य विज्ञान कॉलेज की शुरुआत करने के साथ ही गुरुग्राम में एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के निर्माण की प्रक्रियाएं तेजी से चल रही थीं कि एचएयू ने एक और कॉलेज खोलने की लगभग तैयारी कर ली है। इस बार एचएयू कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नॉलोजी शुरू करेगा। इस नए कॉलेज का निर्माण हाल ही में हरियाणा के विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग से एचएयू को मिले सेंटर फॉर प्लांट बॉयोटेक्नॉलोजी को बदलकर किया जा रहा है। सेंटर को कॉलेज तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन इस बार बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव को लेकर तो नहीं जा पाया मगर अकादमिक काउंसिल की बैठक में यह प्रस्ताव पास हो गया है। इसके साथ ही अगली बार बोर्ड की बैठक में कॉलेज के प्रस्ताव को विश्वविद्यालय प्रशासन लेकर जाएगा। इस कॉलेज के शुरू होने के बाद एचएयू के खाते में कुल आठ कॉलेज होंगे।

नए सत्र से शुरू होंगे यूजी, पीजी व पीएचडी कोर्स : कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नॉलोजी में अगले शैक्षणिक सत्र से अंडर ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन व पीएचडी से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित होंगे। इस कॉलेज में सबसे अहम बात यह होगी कि दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रयोग के लिए अत्याधुनिक लैब उपलब्ध रहेगी। पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए अनुसंधान निदेशक, डीन बेसिक साइंस व बॉयोटेक्नॉलोजी के हैड की जिम्मेदारी लगाई गई है। क्योंकि मौजूदा समय में सेंटर फॉर प्लांट बॉयोटेक्नॉलोजी में अत्याधुनिक लैब मौजूद है। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को रहने के लिए हॉस्टल की सुविधा भी मिल सकती है। चूंकि सेंटर फॉर प्लांट बॉयोटेक्नॉलोजी कैंपस में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हॉस्टल मौजूद है।

एचएयू के पास पहले से ये हैं कॉलेज

- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल, रेवाड़ी
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल, कैथल
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी, हिसार
- कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्यूमेनिटी, हिसार
- आइसी कॉलेज ऑफ होमसाइंस, हिसार
- कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस, हिसार

विदेशों से आने वाले छात्रों को मिलेगा अलग माहौल

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने इंटरनेशनल साइंटिस्ट हॉस्टल भी तैयार कराया है। इसका निर्माण कार्य पूरा हो गया है, बस इसके शुभारंभ का इंतजार किया जा रहा है। एचएयू करीब 70 देशों के वैज्ञानिकों, शिक्षण संस्थानों से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ चुका है। ऐसे कार्यक्रमों में भी विदेशों से वैज्ञानिक आते हैं। विदेशी वैज्ञानिक कम भीड़, अलग वातावरण व खानपान पसंद करते हैं। ऐसी सुविधा यह इंटरनेशनल हॉस्टल मुहैया कराएगा। दो तल के इस हॉस्टल में कुल 20 कमरे व दो वीवीआइपी रूम मौजूद हैं। जहां वह एक निश्चित भुगतान कर हॉस्टल में रह सकते हैं।

एचएयू अगले सत्र से कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नॉलोजी शुरू करेगा। जिसकी मदद से छात्र-छात्राओं को कृषि के क्षेत्र के साथ नवीन विज्ञान के संबंध में भी पढ़ने को मिलेगा। कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नॉलोजी अकादमिक काउंसिल से पास हो चुका है, अगली बार हम बोर्ड की बैठक में भी लेकर जाएंगे। उम्मीद है नए शैक्षणिक सत्र से यहां दाखिले शुरू कर दिए जाएंगे। **प्रो. केपी सिंह**, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 21.1.2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 4-6

एचएयू : बाजरे की एचएचबी 299, एचएचबी 311 किस्मों के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने बाजरा की दो किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के लिए आंध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज के साथ अनुबंध किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर विवि की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक (कार्यकारी) डॉ. आरके झोरड़ व बीज कंपनी से पी शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा प्रयासरत रहता है कि अधिक उपज वाली व बढ़िया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुंचा सकें।

उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा इन किस्मों का बीज तैयार कर उसकी मार्केटिंग करने के लिए चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है और ये डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रति रोधक हैं। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) हैं, जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सेहरावत, एचओएस, डॉ. एसके पहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

डॉ. आरके झोरड़ और बीज कंपनी से पी शंकरप्पा ने किए हस्ताक्षर

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 21.1.2020 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 2-5

करार | एचएयू ने बाजरा की दो किस्मों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

आठ राज्यों में एनीमिया की समस्या दूर करेगा बाजरे का बीज

खेत खलिहान

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार बाजरे की दो किस्में देश के आठ राज्यों में एनीमिया की समस्या दूर करेंगी। इसके लिए एचएयू ने आंध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज के साथ अनुबंध किया है। इसमें बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने के लिए चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 फीसद से ज्यादा है। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हकृवि की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक (कार्यकारी), डा. आरके झोरड़ व बीज कंपनी से पी. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा इस अनुबंध में विवि की ओर से इस बीज कंपनी को हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व मार्केटिंग का लाइसेंस दिया गया है।

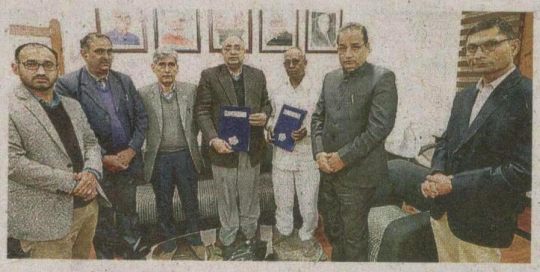

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य। • विज्ञप्ति

विवि को मिलेगी लाइसेंस फीस

कंपनी विश्वविद्यालय को चार लाख रुपये लाइसेंस फीस देगी। बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 को राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए पहचान के लिए राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली तथा खरीफ सीजन के लिए महाराष्ट्र और तमिलनाडु (जोन बी) प्रस्तावित किया गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि भूमि
दिनांक 21.1.2020 पृष्ठ सं 12 कॉलम 7-8

हकृवि का आंध्र प्रदेश की बीज कम्पनी से करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण बीज की मांग लगातार किसानों व कंपनियों में दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज के साथ अनुबंध किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक (कार्यकारी), डॉ. आरके झोरड़ जबकि उपरोक्त बीज कंपनी से पी. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए।

चार वर्ष के लिए लाइसेंस

कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा प्रयासरत रहता है कि अधिक उपज वाली व बढिया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुचा सकें। बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने के लिए चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा ये डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रति रोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) है जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है।

इस अनुबंध में विश्वविद्यालय की ओर से इस बीज कंपनी को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व उसकी मार्केटिंग करने का लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके तहत कंपनी विश्वविद्यालय को चार लाख रुपये लाइसेंस फीस देगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सेहरावत, एचओएस, डॉ. एस.के. पहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल, डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........
दिनांक 21.1.2020 .... पृष्ठ सं. 2 .... कॉलम 1-4

हकृवि ने बाजरा की दो किस्मों के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हकृवि व आन्ध्र प्रदेश की बीज कंपनी श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज के साथ हुआ अनुबंध

हिसार। एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह व अन्य।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण बीज की मांग लगातार किसानों व कंपनियों में दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए आन्ध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक (कार्यकारी), डॉ. आर.के. झोरड़ जबकि उपरोक्त बीज कंपनी से श्री पी. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा प्रयासरत रहता है कि अधिक उपज वाली व बढ़िया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुंचा सकें। उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने हेतु चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा ये डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रति रोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) है जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है।

इस अनुबंध में विश्वविद्यालय की ओर से इस बीज कंपनी को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व उसकी मार्केटिंग करने का लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके तहत कंपनी विश्वविद्यालय को चार लाख रूपये लाइसेंस फीस देगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सेहरावत, एचओएस, डॉ. एस.के. पाहुजा, प्रभारी आईपीआर सेल, डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।